अगले अंक में:

राष्ट्र निर्माण मे जनता की भूमिका

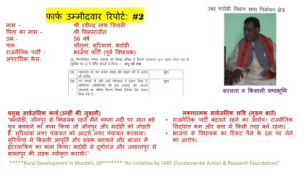

भदोही दर्पण (फार्फ)

भदोही जनपद को समर्पित ई-पत्रिका (वर्तमान समाज व् विकास का सच्चा आइना)

भदोही के ग्रामीण विकास मे भदोही विधायक की भूमिका – सफल य़ा असफल

उद्देश्य: यह लेख फार्फ संस्था का अपने अनुभव के आधार पर है और इसका उद्देश्य सह कदापि नहीं है की विधायक की आलोचना की जाये अपितु प्रयास यह है की एक समालोचन लेख के माध्यम से भदोही विधायक को विकासोन्नमुख सुझाव दिया जा सके।

इस लेख के माध्यम से भदोही जनपद मे तीन वर्षों से ज़मीनी स्तर पर कार्यरत फार्फ संस्था का एक प्रयास है कि विधायक जी के प्रयास पर एक प्रकाश डाला जाये और समझने की कोशिश की जाये की भदोही के विधानसभा क्षेत्र से वहाँ के विधायक रवीन्द्र नाथ त्रिपाठी जी अभी तक कितने सफल या असफल हुये है और क्या वोह क्षेत्र के सभी जनता की अपेक्षाओ पर खरे उतर पाये हैं?

पृष्ठभूमि - वर्ष 1982 मे सम्पूर्णानन्द संस्कृत यूनिवर्सिटी, वाराणसी से स्नातक किये विधायकों त्रिपाठी जी मुल रूप से भदोही जनपद मे सुरियावां ब्लाक के चौगुना गाँव के निवासी हैं।

राजनैतिक सफ़र - वर्ष 2007 मे बसपा पार्टी से बरसेठी से चुनाव जीत कर विधायक त्रिपाठी जी ने अपने राजनैतिक जीवन की शुरूआत की थी। वर्ष 2012 मे हुये चुनाव मे बसपा पार्टी से उन्होंने भदोही क्षेत्र से चुनाव लड़ा था परन्तु हार का मुँह देखना पड़ा था। वर्ष 2017 मे बसपा छोड़कर भाजपा से टिकट लेकर भदोही विधानसभा मे उन्हें बहुत कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ा और सपा के जाहिद बेग को मात्र 1105 वोट से हराकर भदोही की विकास का अवसर प्राप्त किया।

भदोही के ग्रामीण विकास मे भदोही विधायक की भूमिका – सफल य़ा असफल

चल-अचल संपत्ति : किसान परिवेश से आने वाले विधायक श्री त्रिपाठी ने वर्ष 2007 मे दिये गये शपथ पत्र मे अपनी कुल चल-अचल संपत्ति करीब 1 करोड़ के करीब घोषित किया था। पाँच साल विधायक रहने के बाद वर्ष 2012 मे विधायक जी ने अपनी कुल चल-अचल संपत्ति करीब 3 करोड़ घोषित किया था। पुन: वर्ष मे 2017 मे श्री त्रिपाठी जी ने अपनी चल-अचल संपत्ति करीब 3.2 करोड़ ही घोषित की थी। 2013 या उससे पहले बनायी गयी मुख्य सम्पत्तियों मे वाराणसी, झुंसी , ग़ाज़ियाबाद, जोरई (ज्ञानपुर) जगहों मे बनायी गयी संपत्ति मुख्य है।

2017 विधानसभा चूनाव से पूर्व ग्रामीण विकास का विजन: चूनाव पूर्व जब फार्फ संस्था ने श्री त्रिपाठी को एक साक्षात्कार के दौरान बताया की संस्था ने कुछ गोद को गाँव लिया है तो विधायक जी ने विडियो-कैमरा सामने अपनी बात रखी और कहा की फार्फ द्वारा गोद लिये गये सनाथपुर और भिखारीरामपुर गाँव उनके विधानसभा क्षेत्र मे आता है और अगर वोह चुनाव जीत जाते है तो इन गाँवों को ऐसा रोल माडल बनायेंगे की देश-विदेश से लोग देखने आयेंगे इन गाँवों को देखने के लिये।

2017 के चुनाव बाद से फार्फ संस्था का अनुभव: यह संभव है की विधायक श्री रवीन्द्र नाथ त्रिपाठी कुछ लोगों के लिये बहुत अच्छे विधायक साबित हो रहे है, हो सकता है की भाजपा पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं या चापलूस करने वाले लोगों का काम विधायक जी कर भी दे रहे होगे , पर ज़मीनी स्तर पर कार्य कर रही फार्फ संस्था का अनुभव कटु ही रहा है। संस्था ने भदोही मे कुछ और लोगों से विधायक के बारे मे जानकारी संग्रह की, जिसके आधार पर यह कहा जा सकता है की भदोही विधायक अभी तक जनता के उम्मीदों पर खरे नही उतर पाये हैं।

भदोही के ग्रामीण विकास मे भदोही विधायक की भूमिका – सफल य़ा असफल

फार्फ संस्था का अभी तक का कटु अनुभव कुछ इस तरह से है:
-> संस्था द्वारा गोद लिये गये कुछ गाँवों जैसे सनाथपुर, भिखारीरामपुर आदि मे आ रही सबसे बडी दिक़्क़तों जैसे राशन मे धाँधली और ग्राम समाज की ज़मीन पर अवैध क़ब्ज़े के मामले मे विधायक की तरफ़ से कोई सहयोग ना मिल पाने का है। सूत्रों की माने तो अबैध कब्जा करने वाले विधायक जी के ही रिश्ते मे आते हैं, जिसके वजह से विधायक जी जानकर कुछ नहीं कर पा रहे है।

-> सुरियावां ब्लाक मे करीब 30 ग़रीब बच्चों को लेकर, जिनको **Peace Cottage** और **BPMG** स्कुल मे पढ़ाने का सारा ख़र्चा फार्फ संस्था वहन करती है, संस्था ने स्कुल आने-जाने के लिये विधायक नीधि से यातायात साधन मे मदद के लिये अनुरोध किया था, तो विधायक जी ने साफ़ शब्दों ने अपनी अस्मर्थता ज़ाहिर की।

-> फार्फ संस्था द्वारा गोंद लिए गांवों जैसे भिखारीरामपुर और सनाथपुर में पानी की समस्या को लेकर कुछ हैण्ड पम्प की मांग की गई थी लेकिन इस पर भी ध्यान नहीं दिया गया। सुत्रो की मानें तो विधायक की टीम के कुछ लोग पैसे लेकर विधायक नीधि से हैण्ड पम्प लगवाने की बात कर रहे हैं। पता नहीं विधायक जी को इस बारे में जानकारी है कि नहीं पर यह बहुत ही दुखद पहलु है।

-> फार्फ संस्था ने पाया की कई सार्वजनिक प्रोग्रामों मे विधायक जी सिर्फ़ राजनैतिक बयानबाज़ी करते है और विषय पर ना बोलकर प्रबुद्ध लोगों की नज़र मे अपनी विश्वसनीयता खोते जा रहे है।

भदोही के ग्रामीण विकास मे भदोही विधायक की भूमिका – सफल य़ा असफल

उदाहरण के लिये, 2017 मे हमार भदोही द्वारा आयोजित भदोही स्थापना दिवस में, भदोही के एक गाँव मे आयोजित मेडिकल कैम्प मे ग़ैर-ज़िम्मेदाराना राजनैतिक भाषण देकर। मेडिकल कैम्प में उनके द्वारा दिए गए बयान से लोगों के मन में पीड़ा पहुंचीं थी।

कुछ मामलों मे भदोही विधायक अपनी छवी साफ़-सुथरी दिखाने मे सफल भी रहे हैं, हो सकता है की कुछ ग़लत मामलों मे विधायक के नीचे काम करने वाली टीम का ही सीधा हाथ हो और विधायक को इसकी जानकारी ना हो। इन्हीं सब बातों को ध्यान मे रखते हुये फार्फ संस्था का भदोही विधायक के लिये कुछ सुझाव भी है:

1. भदोही विधायक को चाहिये की अपनी कार्यवाहक टीम मे परिवार और चापलूसों को रखने के बजाये अपनी टीम मे गुणवान और प्रबुद्ध लोगों को सम्मलित करें और उनकी सलाह लें। ज़रूरत पड़ने पर निश्वार्थ रूप से ज़मीनी स्तर पर कार्य कर रही संस्थाओं की भी मदद लें।

2. भदोही जनपद के विकास मे भदोही विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री रवीन्द्र त्रिपाठी जी का यह कहना की उनकी सरकार का विजन ही हमारा लक्ष्य है, “सबका साथ सबका विकास।” बहुत अच्छा होगा की सरकार के विजन के अलावा विधायक जी भी क्षेत्र के विकास के लिये अपना एक पाँच साल का विजन बनायें जिसे विधायक नीधि या मंत्रालयों के सहयोग से करवाया जा सके।

हम सबको ऐसा विश्वास है की अगर भदोही विधायक इस लेख के सुझाव पर थोड़ा भी विचार करेंगे तो ना केवल भदोही का ग्रामीण विकास होगा अपितु विधायक जी को भी अगले चुनाव मे केवल 1105 वोट से नही बल्कि कुछ और नये मतदाता उनके कार्यो को समर्थन करेंगे।